मीडिया सेल द्वारा

मासिक न्यूज़लेटर

मोतीलाल नेहरू कॉलेज

खंड VII

मोतीलाल क्रॉनिकल्स

सितंबर का महीना हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत और अभिव्यक्ति का उत्सव है। हिंदी दिवस के अवसर पर मोतीलाल नेहरू कॉलेज का मीडिया सेल भाषा, साहित्य और रचनात्मकता के माध्यम से हिंदी के गौरव को सम्मानित करता है।



सितम्बर

संपादक मण्डल

प्रो.योगेश्वर शर्मा ..... संरक्षक
principal@mln.du.ac.in

डॉ० मूलचन्द्र सिंह..... संयोजक
moolchandra@mln.du.ac.in

चार्वी अग्रवाल ..... मुख्य संपादक
bap24189@mln.du.ac.in

अतुलित कुमार ..... मुख्य संपादक
bch24305@mln.du.ac.in

अजय कुमार ..... मुख्य संपादक
phh24138@mln.du.ac.in

दीपेश वाधवानी ..... प्रबंध संपादक
bap24225mln.du.ac.in

रितिक रावत..... डिजाइन प्रमुख
bap25464mln.du.ac.in

रीतेश ..... जनसंपर्क प्रमुख
bps25123mln.du.ac.in

वैनी माधव ..... सदस्य
bap26130mln.du.ac.in

आशीष झा ..... सदस्य
hnh25043mln.du.ac.in

अमेय ..... सदस्य
bap26085mln.du.ac.in

परिचय

एक परिसर केवल इमारतों और कक्षाओं का समूह नहीं होता; यह जीवंत कहानियों का संसार होता है। मीडिया सेल द्वारा प्रस्तुत यह न्यूज़लेटर उसी ऊर्जा और जीवंतता को शब्दों में संजोने का हमारा प्रयास है। यहाँ आपको सोसाइटी की नवीनतम गतिविधियों से लेकर हमारे 'माह के पूर्व छात्र' से प्रेरणादायक अनुभवों तक, और छात्र-रचित कविताओं व कलाकृतियों से लेकर परिसर की रचनात्मक हलचलों तक सब कुछ पढ़ने को मिलेगा। इसे अपने मासिक दर्पण की तरह देखिए, जो हमारे विद्यार्थियों की उपलब्धियों, रचनात्मकता और जीवंत छात्र जीवन की धड़कन को प्रतिबिंबित करता है।

खंड Vll
हिंदी माध्यम
नवंबर २०२५ से
प्रिंट एंड डिजिटल दोनों
माध्यम में उपलब्ध

प्रकाशक:-
मीडिया सेल, मोतीलाल कॉलेज,
बेनिटो जुआरेज़ मार्ग, दक्षिण परिसर,
साउथ मोती बाग, नई दिल्ली,
दिल्ली ११००२१, भारत
mediacell@mln.du.ac.in

प्राचार्य की कलम से...

प्रिय विद्यार्थियो, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण,
मुझे अत्यंत हर्ष है कि मीडिया सेल के सौजन्य से महाविद्यालय की समाचार पत्रिका का सितंबर अंक आपके हाथों में पहुँच रहा है।
इस अवसर पर मैं मीडिया सेल के समस्त सदस्यों की हृदय से सराहना करता हूँ। महाविद्यालय के प्रचार-प्रसार, सामाजिक माध्यमों की सक्रियता और समाचार पत्रिका के प्रकाशन का दायित्व यह दल जिस समर्पण, अनुशासन और रचनात्मकता से निभा रहा है, वह प्रशंसनीय है। आपके परिश्रम से ही आज महाविद्यालय की पहचान डिजिटल मंचों पर निरंतर सशक्त हो रही है। इस मीडिया सेल के मार्गदर्शक एवं प्रभारी श्री मूलचंद्र सर भी विशेष साधुवाद के पात्र है।
समाचार पत्रिका के संदर्भ में मैं एक बात विशेष रूप से कहना चाहूँगा। किसी भी संस्था की पत्रिका उसकी विश्वसनीयता का दर्पण होती है। इसलिए इसमें प्रकाशित प्रत्येक समाचार, तथ्य, आँकड़ा और चित्र प्रामाणिक एवं सत्यापित होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि मीडिया सेल इसी सत्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ता रहेगा।
अब मैं छात्र संघ के पदाधिकारियों से संवाद करना चाहता हूँ। आपको यह पद केवल सम्मान या उपाधि के रूप में नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के विश्वास के प्रतीक के रूप में मिला है। मुझे आपसे अपेक्षा है कि आप अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और नैतिकता के साथ करेंगे। निर्णय लेते समय निष्पक्षता रखें और किसी भी प्रकार के पक्षपात से दूर रहें। विद्यार्थियों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उन्हें प्रशासन तक पारदर्शिता से पहुँचाएँ। छात्र संघ के कार्यक्रमों में अनुशासन, मर्यादा और संसाधनों के सदुपयोग का ध्यान रखें।

इसी क्रम में मैं नवप्रविष्ट विद्यार्थियों का मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूँ। विद्यालय से महाविद्यालय की यह यात्रा आपके जीवन का एक नवीन और महत्वपूर्ण अध्याय है। यहाँ आपको अध्ययन के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व और सांस्कृतिक गतिविधियों के अनेक अवसर मिलेंगे। संकोच त्यागकर इनमें सहभागिता कीजिए, प्रश्न पूछिए और अपने शिक्षकों से निरंतर संवाद बनाए रखिए।
अंत में जीवन का एक सूत्र आपसे साझा करना चाहता हूँ: "सफलता का मार्ग निरंतर प्रयास और अनुशासन से होकर जाता है।" प्रतिभा बहुतों में होती है, किंतु उसे उपलब्धि में वही बदल पाता है जो प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा परिश्रम करता है।
मैं एक बार पुनः मीडिया सेल की संपूर्ण टीम को बधाई देता हूँ और सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,
प्राचार्य
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

विषय-सूची

परिसर समाचार ---------- 4-6
सोसाइटी अपडेट्स ---------- 7-15
पूर्व छात्र विशेष ---------- 16-17
साहित्यिक कोना ---------- 18-19
कला और रचनात्मकता ---------- 20

विशेष











परिसर समाचार

छात्रसंघ चुनाव में नई टीम ने संभाली कमान



मोतीलाल नेहरू कॉलेज में आयोजित छात्रसंघ चुनाव में छात्रों ने मतदान के माध्यम से नई कार्यकारिणी का चयन किया। ध्रुव भाटी ने 955 मत प्राप्त कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। श्रद्धा पाण्डेय उपाध्यक्ष, जबकि तन्मय शर्मा ने 754 मतों के साथ सचिव पद हासिल किया। अर्पिता 430 मतों के साथ संयुक्त सचिव चुनी गईं। वहीं, कॉलेज काउंसलर (CC 1) पद पर समीर ने 636 और (CC 2) आकाश मीणा ने 569 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की।

चुनाव के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से छात्रहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की उम्मीद है। साथ ही, नई टीम कॉलेज में छात्र गतिविधियों और संवाद को मजबूत करने की दिशा में कार्य करेगी। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ विद्यार्थियों में आगामी कार्यकाल को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

चुनावी मौसम :

मोतीलाल नेहरू कॉलेज और दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) की स्थापना 1949 में हुई और 1954 में इसके पहले चुनाव आयोजित हुए। सात दशकों से अधिक समय बाद भी डूसू चुनाव विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति और कैंपस संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस वर्ष 18 सितंबर 2026 को मतदान हुआ, जिसमें विभिन्न राजनीतिक संगठनों के समर्थित और निर्दलीय उम्मीदवारों ने जोरदार प्रचार किया।

मुकाबला चारों केंद्रीय पदों पर कड़ा रहा। परिणामों में ABVP ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव—तीन पदों पर जीत दर्ज की। यश डबास 24,576 मतों के साथ अध्यक्ष, रिया छावड़ी 21,650 मतों के साथ सचिव और लक्ष्य राज सिंह 16,615 मतों के साथ संयुक्त सचिव चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने 30,615 मतों के साथ जीत हासिल की। वहीं, मोतीलाल नेहरू कॉलेज में ध्रुव सिंह भाटी अध्यक्ष, तनमय शर्मा सचिव और अर्पिता संयुक्त सचिव चुनी गईं। समीर और आकाश मीणा ने क्रमशः CC-1 और CC-2 पद जीते।



कैंपस समाचार

शब्दों का युद्ध नहीं, विचारों का मंच

अध्यक्षीय वाद-विवाद : छात्रों और प्रत्याशियों के बीच सीधा संवाद

महाविद्यालय छात्रसंघ चुनावों के मद्देनज़र मोतीलाल नेहरू कॉलेज की सोसायटी 'अभिव्यंजना: हिंदी वाद-विवाद, कविता एवं रचनात्मक लेखन समाज' द्वारा अध्यक्षीय वाद-विवाद (PRESIDENTIAL DEBATE) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिव्यंजना के कार्यकारिणी एवं सदस्यों के साथ समाज के संयोजक डॉ. मूलचंद्र सिंह सहित अन्य शिक्षकगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन छात्रों और चुनावी प्रत्याशियों के बीच सीधे संवाद का मंच बना, जहाँ प्रत्याशियों ने छात्र राजनीति, महाविद्यालय की समस्याओं और छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव तथा केंद्रीय पार्षद के विभिन्न पदों के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपनी प्राथमिकताओं और योजनाओं को विद्यार्थियों के सामने रखा। कॉलेज प्रशासन की ओर से माइक एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रबंध किया गया, जिससे कार्यक्रम अनुशासित और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।





इस अध्यक्षीय वाद-विवाद में छात्रसंघ के छह प्रमुख पदों—अध्यक्ष (PRESIDENT), उपाध्यक्ष (VICE PRESIDENT), सचिव (SECRETARY), संयुक्त सचिव (JOINT SECRETARY), केंद्रीय पार्षद–1 (CENTRAL COUNCILLOR–1) एवं केंद्रीय पार्षद–2(CENTRAL COUNCILLOR–2) के प्रत्याशियों ने सहभागिता की। विशेष रूप से अध्यक्ष पद के दोनों उम्मीदवारों ने अपने विचार और प्राथमिकताएँ विद्यार्थियों के सामने रखीं तथा खुली चर्चा में भाग लिया। अन्य पदों के प्रत्याशियों ने भी छात्रहित से जुड़े विषयों पर अपनी योजनाएँ और विचार साझा किए।

वाद-विवाद के दौरान अभिव्यंजना के कार्यकारिणी सदस्यों और उपस्थित मतदाताओं ने प्रत्याशियों से सीधे प्रश्न किए। प्रश्नों का केंद्र महिला सुरक्षा, महाविद्यालय में प्लेसमेंट, छात्र कल्याण, शिक्षकों और कक्षाओं के बीच अंतर तथा कॉलेज से जुड़ी अन्य छात्र समस्याओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे रहे। इस सीधे संवाद ने प्रत्याशियों को अपनी प्राथमिकताओं, योजनाओं और छात्रहित से संबंधित दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अवसर दिया, वहीं विद्यार्थियों को भी अपने संभावित प्रतिनिधियों से प्रश्न पूछने और उनके उत्तर सुनने का मंच मिला।

कैंपस समाचार

एक मंच अनेक रंग, फ्लैशमोब '26



मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय में आयोजित वायु के फ्लैश मॉब ने संगीत, नृत्य, रंगमंच और ऊर्जा से भरी यादगार दोपहर का रूप ले लिया। छह सामूहिक सोसाइटियों की प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्साह से भर दिया, जबकि छायांकन ने कार्यक्रम के हर खास पल को कैमरे में कैद किया। कार्यक्रम की शुरुआत मल्हार से हुई, जिसने शुरुआती धीमेपन के बाद अपनी लय पकड़कर दर्शकों की तालियाँ बटोरीं। इसके बाद बेलिसिमो ने आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति से माहौल को आगे बढ़ाया। इलेक्ट्रा की धमाकेदार शुरुआत और बदलती कोरियोग्राफी ने दर्शकों की ऊर्जा चरम पर पहुँचा दी। लगभग 1:30 बजे आधार ने गांधी के तीन बंदरों पर आधारित स्ट्रीट प्ले प्रस्तुत किया, जो सत्य निकेतन की घटना के संदर्भ के साथ गंभीर सवाल छोड़ गया। इसके बाद झंकार ने गीत, नृत्य और दर्शकों की भागीदारी से माहौल फिर जीवंत कर दिया। अंत में छायांकन की पर्दे के पीछे की रिकॉर्डिंग और 24 सितंबर से शुरू होने वाले ऑडिशन की घोषणा ने कार्यक्रम को एक नई उम्मीद दी।

जोश से भरा हर ओवर: प्रीडेटर क्रिकेट कार्यक्रम



वायु (VAAYU) ने प्रीडेटर एनर्जी ड्रिंक के सहयोग से कॉलेज परिसर में क्रिकेट-केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसने विद्यार्थियों में खेल भावना और टीमवर्क को बढ़ावा दिया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता पुरुष और महिला टीमों को ₹2,500 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। यह आयोजन खेल, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सामूहिक सहभागिता का यादगार अनुभव बनकर उभरा।

वायु के क्रीमबेल कार्यक्रम ने कैंपस में उत्साह का माहौल बनाया



वायु (VAAYU) द्वारा क्रीमबेल के सहयोग से आयोजित यह छात्र-केंद्रित कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उत्साह और आनंद से भरा अनुभव रहा। विभिन्न गतिविधियों में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे पूरे कैंपस में जीवंत माहौल बना। वायु की टीम के सुनियोजित समन्वय और सफल संचालन ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव बना दिया।

सोसाइटी अपडेट्स

अभिव्यंजना: शब्दों से संवाद, विचारों से प्रभाव



2 सितंबर को 'अभिव्यंजना' ने नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण सत्र आयोजित किया। परिचय से आगे बढ़ते हुए सत्र ने कविता, वाद-विवाद और रचनात्मक लेखन के जरिए विद्यार्थियों को अपनी आवाज़ तलाशने का अवसर दिया। संयोजक प्रो. मूलचंद्र सिंह के मार्गदर्शन ने इस शुरुआत को और सार्थक बनाया।

10 सितंबर के ऑडिशन में नए चेहरों और नए विचारों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई और चयन के बाद 60 से अधिक नए सदस्य अभिव्यंजना परिवार से जुड़े। यह केवल चयन नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और अभिव्यक्ति का विस्तार था।

कक्षा से आगे: शिक्षक दिवस ने याद दिलाया रिश्तों का अपनापन

5 सितंबर 2026 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के LT-3 में WDC द्वारा शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत भाषण एवं मेज़बान के परिचय से हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिक्षकों के साथ संवादात्मक गतिविधियों का आनंद लिया। महाविद्यालय की संगीत समिति 'मल्हार' ने सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। शिक्षकों ने अपने कॉलेज जीवन की यादें और महत्वपूर्ण अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक खेलों, सामूहिक गायन तथा दोनों टीमों की सहभागिता के साथ हुआ।



शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षक और व विद्यार्थियों की एक साथ भागीदारी

NSS की पहल: सकारात्मक बदलाव के पथप्रदर्शक

सत्य निकेतन राहत अभियान

6 सितंबर 2026 को सत्य निकेतन में एक PG भवन के ढहने की दुखद घटना के बाद मोतीलाल नेहरू कॉलेज की NSS इकाई ने प्रभावित छात्रों और समुदाय के लोगों की सहायता के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। प्राचार्य प्रो. योगेश्वर शर्मा और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने आश्रय, भोजन, भावनात्मक सहयोग और आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने में योगदान दिया। कुल 10 स्वयंसेवकों ने राहत सामग्री के संग्रह, छँटाई,

सोसाइटी अपडेट्स

वितरण, ज़मीनी आकलन, समन्वय और दस्तावेज़ीकरण में सक्रिय भागीदारी की। इस पहल ने करुणा, युवा नेतृत्व, टीमवर्क और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रदर्शित किया।

NSS अभिमुखीकरण कार्यक्रम

NSS वार्षिक अभिमुखीकरण कार्यक्रम 2026 का आयोजन 9 सितंबर 2026 को MLNC के एक्टिविटी रूम में प्रो. योगेश्वर शर्मा, प्रो. ए. एम. खान और डॉ. संदीप कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को NSS के इतिहास, दर्शन, उद्देश्यों, आदर्श वाक्य और कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। सत्य निकेतन त्रासदी के पीड़ितों के लिए श्रद्धांजलि और दो मिनट के मौन के बाद दीप प्रज्वलन तथा अनुशासन एवं नेतृत्व पर चर्चा हुई। स्वयंसेवकों को आयोजनों, जनसंपर्क, अनुसंधान, वित्त, संचालन, कंटेंट और सोशल मीडिया विभागों की जानकारी दी गई। स्पेशल कैंप, समर्पण, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रोजेक्ट उड़ान जैसी पहलों पर भी प्रकाश डाला गया।

समर्पण ’26 58वाँ NSS दिवस



58वें NSS दिवस के उपलक्ष्य में समर्पण ’26 का आयोजन 24 सितंबर 2026 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज में किया गया। समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन, विशिष्ट अतिथियों के प्रेरणादायक संबोधन तथा लोक सेवा, स्वास्थ्य सेवा, प्रशासन और युवा भागीदारी पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर ‘आरोग्य सखी’ नामक सामुदायिक पहल का शुभारंभ किया गया, जो महिला स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और डिजिटल साक्षरता पर केंद्रित है। कोर टीम बैज समारोह में छात्र नेतृत्व को औपचारिक मान्यता दी गई तथा NSS विज़न 2026–27 के भविष्य के लक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संगीत सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वृक्षारोपण अभियान



मोतीलाल नेहरू कॉलेज की NSS इकाई ने परवाह के सहयोग से 29 सितंबर 2026 को एडमिन लॉन, लाइब्रेरी लॉन और SV ब्लॉक लॉन में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता, स्थिरता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना तथा कॉलेज परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य प्रो. योगेश्वर शर्मा, उप-प्राचार्य प्रो. ए. एम. खान और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार के संबोधनों से हुई। NSS स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से पौधारोपण किया और उनके नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी संभाली। इस अभियान ने टीम परवाह के साथ सहयोग को मजबूत किया और भविष्य की पर्यावरणीय एवं सामुदायिक गतिविधियों में स्वयंसेवा को प्रोत्साहित किया।

सोसाइटी अपडेट्स

संगीत के ज़रिए विद्यार्थियों को जोड़ता मल्हार



मल्हार की संगीत गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता।

सितंबर का महीना 'मल्हार' के लिए संगीत, प्रतिभा और सहयोग से भरा रहा। 25 और 26 सितंबर को आयोजित मल्हार ऑडिशन 2026 में नए विद्यार्थियों को अपनी गायन, वादन और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। भारतीय शास्त्रीय, वेस्टर्न अकैपेला और बैंड जैसी विभिन्न संगीत शाखाओं के लिए प्रतिभाओं की पहचान की गई। ऑडिशन ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति और टीम के साथ काम करने की क्षमता को भी परखा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर मल्हार ने डब्ल्यू.डी.सी. के साथ विशेष संगीत प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षकों के योगदान और मार्गदर्शन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक जुड़ाव बना। 24 सितंबर को मल्हार और एन.एस.एस. ने एक इंटरैक्टिव में जैमिंग सत्र आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों ने गायन और वादन के माध्यम से साथ मिलकर संगीत का आनंद लिया। इस पहल ने सहयोग, आत्मविश्वास, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत किया।

नई लय, नए कदम : इलेक्ट्रा के यादगार पल



पश्चिमी नृत्य समिति • मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय की पश्चिमी नृत्य समिति 'इलेक्ट्रा' ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत उत्साह, रचनात्मकता और सामूहिक ऊर्जा के साथ की। समिति विद्यार्थियों को नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मक अभिव्यक्ति का साझा मंच प्रदान करती है, जहाँ नियमित अभ्यास और टीमवर्क उनकी पहचान बनते हैं।

सांस्कृतिक समिति 'वायु' द्वारा आयोजित फ्लैशमॉब 2026–27 में इलेक्ट्रा ने प्रभावशाली नृत्य प्रस्तुति देकर कॉलेज के सांस्कृतिक जीवन में सक्रिय सहभागिता दर्ज की। कलाकारों का समर्पण, अनुशासन और सामूहिक प्रदर्शन इस आयोजन की विशेष पहचान रहा।

इसी क्रम में 24 और 25 सितंबर 2026 को दो चरणों में ऑडिशन आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य नई प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने और इलेक्ट्रा परिवार का हिस्सा बनने का अवसर देना था। ये ऑडिशन केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि हर नए कलाकार की संभावनाओं को मंच देने की एक सार्थक पहल साबित हुए।

सोसाइटी अपडेट्स

सीखने से नेतृत्व तक: SDC ने सितंबर में की नई शुरुआत



परिचय के दौरान नए सदस्य एक साथ संवाद और सहभागिता करते हुए।

सितंबर 2026 स्किल डेवलपमेंट सेल (SDC), मोतीलाल नेहरू कॉलेज के लिए नई टीम, सीखने और सक्रिय सहभागिता का महीना रहा। सत्र 2026–27 में 100 से अधिक नए सदस्यों का चयन किया गया। परिचय सत्र में आइस-ब्रेकर गेम्स व संवादात्मक गतिविधियों से सदस्यों को टीम से जोड़ा गया और सेल के उद्देश्य, दृष्टिकोण, विभागीय ढांचे, कार्यप्रणाली, परियोजनाएं व आयोजनों से परिचित कराया गया। पेशेवर व्यवहार, संवाद, सहयोग और टीमवर्क पर जोर दिया गया। विभिन्न कौशल-विकास कार्यशालाओं ने व्यावहारिक कौशल विकसित किए और आगामी जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया। इस पहल ने मजबूत टीम संस्कृति और नए सत्र की नींव रखी।

छायांकन: तस्वीरों से ऑडिशन तक

16 सितंबर को छायांकन ने मजनू का टीला में फोटो वॉक के साथ अपने सफर की शुरुआत की। सदस्यों ने वहां की कला, रंग, बनावट और माहौल को अपने नजरिए से कैमरे में कैद किया। इसके बाद, 24 सितंबर को लगभग 60 प्रतिभागियों ने ऑन-द-स्पॉट ऑडिशन में अपनी रचनात्मकता दिखाई। फिर, 26 सितंबर को चुने गए 40 प्रतिभागियों के साक्षात्कार हुए, जिसमें उनकी रुचियों, अनुभवों और विचारों के बारे में चर्चा की गई।



प्लेसमेंट सेल के संग एआई: करियर की नई राह

25 सितंबर को मोतीलाल नेहरू कॉलेज के सेमिनार हॉल में प्लेसमेंट सेल द्वारा “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कॉर्पोरेट अवसर” विषय पर एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। सत्र का उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किस प्रकार कॉर्पोरेट जगत को बदल रहा है और नए करियर अवसरों को जन्म दे रहा है।



सोसाइटी अपडेट्स

कार्यक्रम की शुरुआत प्लेसमेंट सेल के परिचय और कॉर्पोरेट जगत में एआई की बढ़ती भूमिका पर चर्चा के साथ हुई।

इसके बाद उद्योग विशेषज्ञ मयंक धनवंतरी ने छात्रों के साथ अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए एआई के बदलते कॉर्पोरेट परिदृश्य और उससे जुड़े अवसरों पर प्रकाश डाला। सत्र ने छात्रों को उद्योग के रुझानों, आवश्यक कौशल और करियर की संभावनाओं को समझने के साथ-साथ विशेषज्ञ से मार्गदर्शन प्राप्त करने और नेटवर्किंग का अवसर दिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

करियर लॉन्चपैड: आत्म-अन्वेषण से सुनहरे अवसरों तक



23 सितंबर को MARKULT ने 'CAREER LAUNCHPAD: FROM SELF-DISCOVERY TO OPPORTUNITY' विषय पर एक अधिवेशन आयोजित किया। इस सेमिनार में छात्रों ने अपनी क्षमताओं, कार्य-क्षेत्र विकल्पों और भविष्य के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। कार्य-क्षेत्र की दिशा को स्पष्ट करने के लिए व्यावहारिक उदाहरणों का भी उपयोग किया गया। इसी महीने, रिक्रूटमेंट '26 के व्यक्तिगत साक्षात्कार में 80 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जबकि इण्डक्शन'26 में नए सदस्यों को सोसाइटी, विभागों और कार्य करने के तरीकों से अवगत कराया गया।

नीतिज्ञ: संवाद, सम्मान और इतिहास से जुड़ता सितंबर



सितंबर माह, नितिज्ञ के लिए सम्मान, संवाद और सीख से भरा रहा। 5 सितंबर को राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में अपने शिक्षकों के प्रति आदर, अनुशासन और सीखने की भावना को प्रोत्साहित किया। 17 सितंबर को विभाग ने 'शिक्षक के साथ संवाद' कार्यक्रम के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. पवन सिन्हा के साथ संवाद का आयोजन किया।

संवाद का केंद्र भारत में संचार की संस्कृति, जातीय विविधता और उसकी वास्तविक प्रकृति को समझना रहा। विद्यार्थियों को विविध विचारों और दृष्टिकोणों से परिचित होने का अवसर मिला। माह का समापन 25 सितंबर को प्रधानमंत्री संग्रहालय के शैक्षणिक भ्रमण के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने संग्रहालय में विभिन्न प्रधानमंत्रियों द्वारा उपयोग की गई वस्तुओं को देखा और उनके जीवन तथा राजनीतिक विरासत से परिचित हुए।

सोसाइटी अपडेट्स

झंकार ने नए सदस्यों के लिए खोले ऑडिशन के द्वार

झंकार ने नए सदस्यों के चयन के लिए 28 और 29 सितंबर को ऑडिशन आयोजित किए थें। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों में नृत्य, लय, ताल और प्रस्तुति कौशल को प्रोत्साहित करना तथा नई प्रतिभाओं को मंच देना था।

पहले दिन प्रतिभागियों को अपनी पसंद की कोरियोग्राफी तैयार कर पैनल के सामने प्रस्तुत की। इसमें उनकी नृत्य क्षमता, लय और ताल की समझ, अभिव्यक्ति तथा मंच पर प्रस्तुति को परखा गया।

दूसरे दिन वर्कशॉप हुई, जिसमें उन्हें छोटी भांगड़ा कोरियोग्राफी सिखाई गई। यहाँ सीखने की क्षमता, लय, तालमेल और नई कोरियोग्राफी अपनाने की प्रतिभा देखी गई।

झंकार के अनुसार ऑडिशन का मकसद केवल नृत्य कौशल देखना नहीं, बल्कि जोश और सीखने की क्षमता को भी परखना है। टीम को उम्मीद है कि नए सदस्यों के साथ नई प्रतिभाएँ और नया उत्साह जुड़ेगा। इससे पहले 23 सितंबर को झंकार ने वायु द्वारा आयोजित फ्लैश मॉब में भी भागीदारी की थी।



23 सितंबर को वायु द्वारा आयोजित फ्लैश मॉब में झंकार की प्रस्तुति।

नए अवसरों की ओर एक कदम: ई-सेल के शिक्षा मेले ने खोले वैश्विक अवसरों के द्वार

उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नई संभावनाओं और व्यापक दृष्टिकोण की ओर बढ़ने का अवसर भी है। इसी सोच को साकार करते हुए मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के एंटरप्रेन्योरशिप सेल (ENTREPRENEURSHIP CELL) ने 12 सितंबर 2026 को द पार्क, दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड एजुकेशन फेयर 2026 में भाग लिया।

इस शैक्षिक यात्रा में प्री-फाइनल और फाइनल वर्ष के लगभग 20 छात्रों ने सहभागिता की। मेले के दौरान छात्रों को 12 से अधिक देशों के 80 से अधिक विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रियाओं, छात्रवृत्तियों, आवेदन शुल्क में मिलने वाली छूट तथा पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इस अनुभव ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को निकट से समझने के साथ-साथ अपने भविष्य के प्रति अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी बनने का अवसर दिया। यह पहल केवल विदेश में अध्ययन की जानकारी तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्रों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने और उनके सपनों को नई दिशा देने का एक सार्थक प्रयास भी सिद्ध हुई।

सोसाइटी अपडेट्स

कृतिरंग के रचनात्मक सफ़र की नई शुरुआत



इस माह कृतिरंग द्वारा मुख्य रूप से हेल्प डेस्क एवं भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया गया, जिसने छात्रों को रचनात्मकता और सहभागिता के साथ कृतिरंग से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

1 सितंबर को आयोजित हेल्प डेस्क पूरे दिन उत्साह और गतिविधियों से भरा रहा। फेस पेंटिंग और इंटरैक्टिव गेम्स ने छात्रों के बीच एक सहज और आनंदपूर्ण माहौल बनाया, जहाँ वे न केवल इन गतिविधियों का हिस्सा बने, बल्कि कृतिरंग की रचनात्मक पहचान और उसकी विभिन्न पहल से भी परिचित हुए। इस दौरान कई नए छात्रों ने समाज के कार्यों को करीब से जाना और उससे जुड़ने में रुचि दिखाई।

इसके साथ ही कृतिरंग की भर्ती प्रक्रिया भी आयोजित की गई, जिसके परिणाम 20 सितंबर को घोषित किए गए। चयनित नए सदस्यों का कृतिरंग परिवार में स्वागत किया गया।

नए विचारों, नई प्रतिभाओं और साझा रचनात्मकता के साथ कृतिरंग ने अपने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए एक नए रचनात्मक सत्र की शुरुआत की।

फैशन, फ्लैशमॉब और फ्यूचर टैलेंट: बेलिसिमो का शानदार सितंबर



सितंबर 2026 में बेलिसिमो—द फैशन सोसाइटी ने कैंपस में फैशन और ऊर्जा का शानदार प्रदर्शन किया। माह की शुरुआत फ्लैशमॉब 2026 से हुई, जिसमें दमदार बीट्स, हाई-फैशन वॉक और आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुति ने पूरे परिसर का ध्यान आकर्षित किया। नए टैलेंट की तलाश में 28 सितंबर, 29 सितंबर और 1 अक्टूबर को वार्षिक ऑडिशन आयोजित हुए। कल्चरल रूम में हुए ऑडिशन में सैकड़ों छात्रों ने मॉडलिंग, स्टाइलिंग, डिजाइनिंग और मैनेजमेंट विंग्स के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई। चयनित नए सदस्यों का बेलिसिमो परिवार में स्वागत किया गया। सोसाइटी ने फैशन को व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का माध्यम बताया।

MS. EUPHORIA

26 सितंबर को 'कलाक्षेत्र' में बेलिसिमो की उपाध्यक्षा श्रेया यादव ने अपनी शानदार WALK और SCREEN PRESENCE से 'MS. EUPHORIA' का खिताब अपने नाम किया।



सोसाइटी अपडेट्स

कलम, कैमरा और क्रिएटिविटी: मीडिया सेल के साथ फ्रेशर्स का सफ़र



मीडिया सेल ने 21 सितंबर को नए विद्यार्थियों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन आयोजित किया। इसका उद्देश्य फ्रेशर्स को सोसाइटी के कार्यों से परिचित कराना और उन्हें रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच देना था। सेशन में विद्यार्थियों को न्यूज़लेटर निर्माण, लेखन, डिज़ाइन और कॉलेज इवेंट्स की पब्लिसिटी की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।फ्रेशर्स ने खुलकर अपने सवाल पूछे और विचार साझा किए।

मीडिया सेल के अनुसार इस सेशन का मकसद केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि नई प्रतिभाओं की रुचि और सीखने की क्षमता को भी समझना था। टीम को उम्मीद है कि नए सदस्यों के साथ नई सोच और नया उत्साह जुड़ेगा।

मीडिया सेल, कॉलेज की न्यूज़लेटर एवं पब्लिसिटी सोसाइटी, ने 23 सितंबर को विद्यार्थियों के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को न्यूज़लेटर निर्माण, लेखन, डिज़ाइन और इवेंट पब्लिसिटी की बुनियादी तकनीकों से परिचित कराना था। वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने व्यावहारिक गतिविधियों में हिस्सा लिया और टीम के साथ मिलकर अपने विचारों को रचनात्मक रूप दिया। प्रतिभागियों को सीखने के साथ-साथ अपनी कल्पना को शब्दों और डिज़ाइन में ढालने का अवसर मिला। उन्होंने खुलकर सवाल पूछे और सीखने में उत्साह दिखाया।

अनुशासन से राष्ट्रसेवा तक: एनसीसी ने जगाई नई ऊर्जा



मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 03 सितंबर 2026 को एनसीसी ओरिएंटेशन एवं नामांकन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को एनसीसी के उद्देश्यों, शिविरों, साहसिक गतिविधियों, नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के अवसरों से परिचित कराया गया। वरिष्ठ कैडेट्स ने पूर्ण एनसीसी वर्दी में उपस्थित होकर अनुशासन और कैडेट जीवन की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्साहजनक भागीदारी ने आगामी नामांकन अभियान के प्रति जागरूकता और उत्साह को और बढ़ाया।

07 सितंबर 2026 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज के मैदान एवं परीक्षा हॉल में एनसीसी नामांकन अभियान आयोजित किया गया। 4 दिल्ली बटालियन एनसीसी के अधिकारियों और सेना प्रशिक्षकों की देखरेख में उम्मीदवारों का लिखित परीक्षा, ऊंचाई माप, शारीरिक दक्षता परीक्षण तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया

सोसाइटी अपडेट्स

गया।वरिष्ठ कैडेट्स ने विभिन्न चरणों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पूरे अभियान में उम्मीदवारों ने उत्साह, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए एनसीसी में शामिल होने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

एनसीसी में छात्राओं की नई उड़ान: साहस, सेवा और नेतृत्व का संगम



मोतीलाल नेहरू कॉलेज की एनसीसी इकाई ने नए विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों को एनसीसी के उद्देश्यों, आदर्श वाक्य, गतिविधियों और प्रशिक्षण शिविरों से परिचित कराया गया। वरिष्ठ कैडेटों ने अपने अनुभव साझा किए तथा स्क्वाड ड्रिल और डी.एस.टी. (DST) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में नामांकन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।
एनसीसी नामांकन अभियान के प्रथम चरण में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस प्रक्रिया में दस्तावेज़ सत्यापन, शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार शामिल रहे। विद्यार्थियों को एनसीसी की गतिविधियों और लाभों से अवगत कराया गया। पूरी चयन प्रक्रिया अनुशासित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।एनसीसी नामांकन अभियान का दूसरा चरण उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जो प्रथम चरण में शामिल नहीं हो सके थे। चयन प्रक्रिया में लिखित एवं शारीरिक परीक्षा के बाद साक्षात्कार हुआ। विद्यार्थियों ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ भाग लिया तथा एनसीसी से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त किया।एनसीसी कैडेटों ने दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में टीबी जागरूकता अभियान में भाग लिया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों को टीबी के कारणों, लक्षणों, उपचार एवं रोकथाम की जानकारी दी। कैडेटों ने समय पर जांच, उचित उपचार और रोगियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार का संदेश देते हुए सामाजिक जागरूकता में योगदान दिया।

हौसलों की पारी: व्हीलचेयर क्रिकेट टी-सीरीज़ में सक्रिय सहभागिता



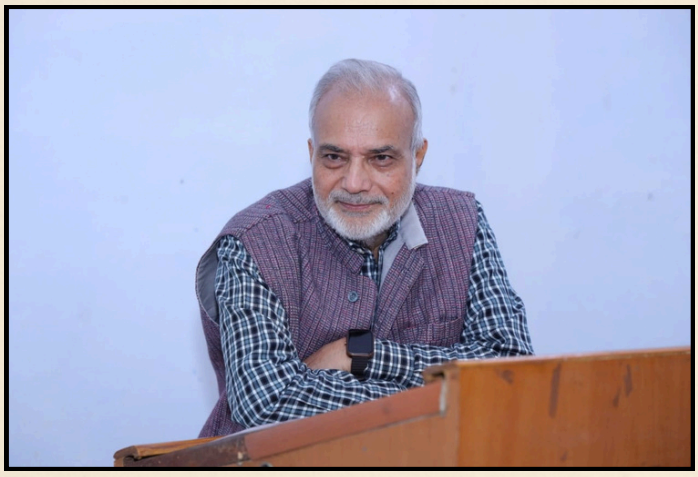
व्हीलचेयर क्रिकेट टी-सीरीज़ 2026 | 17-18 सितंबर 2026

17 और 18 सितंबर 2026 को तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में व्हीलचेयर क्रिकेट टी-सीरीज़ 2026 का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली व्हीलचेयर क्रिकेट संघ के साथ मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय की स्पोर्ट्स सोसाइटी के सदस्यों ने स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय सहयोग किया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत-नृत्य से हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्वलन कर इसका उद्घाटन किया गया।

खिलाड़ियों के उत्साह, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को प्रेरित किया। सदस्यों को आयोजन प्रबंधन, टीम समन्वय, खिलाड़ियों से संवाद और मंच संचालन जैसी जिम्मेदारियों को समझने व निभाने का अवसर मिला। खिलाड़ियों के समर्पण और आत्मविश्वास से बहुत कुछ सीखने को मिला; यह पूरा आयोजन नई जिम्मेदारियों और कौशल विकास का एक बेहतरीन अनुभव रहा।

पूर्व छात्र विशेष

एक विद्यार्थी से शिक्षक और साहित्य-साधक तक: प्रो. हरिमोहन शर्मा की प्रेरक यात्रा

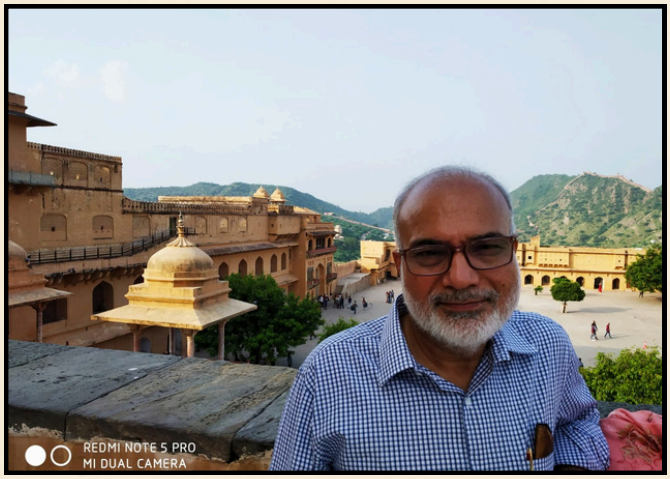


प्रो. हरिमोहन शर्मा

विषय: हिंदी विशेष **वर्ष : 1968-1971**

प्रो. हरिमोहन शर्मा का कॉलेज से जुड़ाव केवल एक विद्यार्थी के रूप में शुरू नहीं हुआ, बल्कि यह संबंध आगे चलकर उनके शैक्षणिक और साहित्यिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। आज जिस संस्थान को हम मोतीलाल नेहरू कॉलेज (MLNC) के नाम से जानते हैं, वर्ष 1968 में वह हस्तिनापुर कॉलेज के नाम से जाना जाता था। इसी कॉलेज से प्रो. शर्मा ने वर्ष 1968 से 1971 तक हिंदी ऑनर्स में स्नातक की पढ़ाई की।

प्रो. शर्मा के हिंदी विषय चुनने के पीछे कई व्यावहारिक और व्यक्तिगत कारण थे। उस समय करियर के विभिन्न विकल्पों और उनके अवसरों को लेकर आज जैसी व्यापक जानकारी उपलब्ध नहीं थी। उनके परिवार में भी इन विकल्पों को लेकर बहुत अधिक जागरूकता नहीं थी। साथ ही, संस्कृत उनकी पहले से ही पृष्ठभूमि में विद्यमान थी, इसलिए हिंदी उनके लिए स्वाभाविक और सहज विकल्प बनकर सामने आई। स्नातक के बाद उन्होंने वर्ष 1971 से 1973 तक हिंदी में एम.ए. किया। उस समय दक्षिण दिल्ली के कालेजों की एम.ए. की कक्षाएँ वेंकटेश्वर कॉलेज में आयोजित होती थीं और यह वह दौर था जब दक्षिणी परिसर (SOUTH CAMPUS) की अवधारणा अपने शुरुआती चरण में थी। इस प्रकार, उनके विद्यार्थी जीवन का एक हिस्सा उस समय के विकसित होते हुए दक्षिणी परिसर से भी जुड़ा रहा।



वर्ष 1973 में प्रो. शर्मा ने अपने शिक्षण जीवन की शुरुआत राम लाल आनंद कॉलेज से की। वर्ष 1973 से 2000 तक उन्होंने वहाँ अध्यापन किया। इसी दौरान उनके अकादमिक अनुभव का दायरा भी लगातार बढ़ता गया।कॉलेज के दिनों में उनकी रुचि केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रही।वे रचनात्मक लेखन और तत्कालीन वैचारिक बहसों में हिस्सा लेने लगे। उन्ही दिनों उन्होंने हिंदी साहित्य की गैर-व्यावसायिक पत्रिका 'सार्थक' का लगभग दो-तीन वर्षों तक संपादन - प्रकाशन किया। इस

पूर्व छात्र विशेष

दौरान उन्होंने पत्रिका के लिए साहित्य से जुड़े वाद-विवाद और विचार-विमर्श से जुड़े लेख भी लिखे-लिखवाये। साहित्य और लेखन के प्रति यह शुरुआती जुड़ाव आगे चलकर उनके शैक्षणिक और साहित्यिक जीवन की नींव बना। वर्ष 1990 से 1993 के बीच उन्हें पोलैंड के प्रतिष्ठित वारसा विश्वविद्यालय में VISITING PROFESSOR के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। यह अनुभव उनके लिए भारतीय अकादमिक परिवेश से बाहर जाकर शिक्षा और उच्च शिक्षण की विभिन्न पद्धतियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

वर्ष 2000 से 2006 तक उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में ASSOCIATE PROFESSOR के रूप में कार्य किया और वर्ष 2006 से 2017 तक SOUTH CAMPUS में PROFESSOR के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। इसके साथ-साथ वे विश्वविद्यालय और कॉलेज के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों से भी जुड़े रहे। वर्ष 2013 से 2015 तक वे मोतीलाल नेहरू कॉलेज की GOVERNING BODY के सदस्य रहे, जबकि 2013 से 2016 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष (HOD) और डीन कला संकाय के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई।



जब उनसे पूछा गया कि उनके जीवन में शिक्षकों की क्या भूमिका रही, तो उन्होंने अपने शिक्षकों को अपनी यात्रा का महत्वपूर्ण प्रेरक व मार्गदर्शक बताया। अध्यापकों में विशेष रूप से नरेंद्र कोहली और महेंद्र कुमार जैसे शिक्षकों का उनके बौद्धिक और साहित्यिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ा।शोध के दौरान नित्यानंद तिवारी जैसे अध्यापकों ने उनकी सोच को नयी दिशा दी। उन्होंने अपने विद्यार्थी काल के साथियों के रूप में प्रेम जनमेजय और अजय तिवारी को याद किया। शिक्षा के उद्देश्य पर बात करते हुए प्रो. शर्मा ने इसे केवल डिग्री, नौकरी या करियर तक सीमित नहीं माना। उनके लिए शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य एक अच्छा इंसान बनना है।

उनके विचार में इस यात्रा को तीन स्तरों पर समझा जा सकता है—

अच्छा इंसान → अच्छा शिक्षक → अच्छा विद्वान।

उनके अनुसार, ज्ञान और विशेषज्ञता तभी सार्थक हैं जब उनके साथ मानवीयता और जिम्मेदारी भी जुड़ी हो। एक व्यक्ति पहले एक बेहतर इंसान बनने का प्रयास करे, तभी वह एक अच्छा शिक्षक बन सकता है और आगे चलकर एक सार्थक विद्वान के रूप में समाज में योगदान दे सकता है।

साहित्यिक कोना

पौरुष

दुर्धर्ष था वह काल-भीषण, दुर्धर्ष थी वह वेदना ।
था विध्वंसकारी युग पिशाची, और सो रही थी चेतना ।
रण भरते थे वे कद- प्रतापी, गाती लोरियाँ तब सिसकियाँ । ऐसी सिसकियों के बीच फिर सोती कहाँ उत्तेजना |
पौरुष न पाता साकेत यदि तो कहाँ सौंदर्य को ठहराता, शोणित में बहकर ही सदा भगवा नील गगन में लहराता ।
कोई भेद नहीं जब प्रारब्ध - जतन में तब वीर कर्ण क्यों घबराए, सूर्य जब-जब चीरे चित्त को काले मेघ क्या कर पाए ।
पर रहता तेज न निकट सदा, कभी सूर्य ग्रहण भी हो जाता, जो साधे सकल साकेत नगर को वह रामराज्य भी छुप जाता।
जुटे पिशाचों की भीड़ वहीं, जहाँ औरंगज़ेबी आ जाए, परंतु वह क्षण भी रखता धीर कहाँ जब धैर्य विरह को पा जाए।
फिर आश्चर्य इन नेत्रों को रहे कहाँ यदि स्वयं परशु शिव भुजाओं में आता है, शोषणोपरांत पतन-विरुद्ध फिर नव-सृजन को दैत्य संहार ही तो भाता है।
रण- विमुख जीवन का अर्थ भला कौन इसे समझाएगा ? जिसने देखा राम - शौर्य, उसे भय क्या भला डराएगा।
शिथिल नहीं, कुछ सौम्य रूप ले इस वृद्ध राष्ट्र ने बाँटी मेधा, रखी असि, कृपाण, शर, परशु - फरसा, रोकी फिर हनुमंत-गदा ।
परंतु खल को फिर कहाँ चैन मिला?, वीभत्स द्वार पुनः खोल दिया । अरब के कुछ कुकुरों ने आकर वृद्ध सिंह को घेर लिया।
आह! वृद्ध पुरुष के पौरुष का जग में फिर कहाँ कोई तोड़ मिला? पिनाक- विजय, गांडीव - शरों से फण शेषनाग का डोल गया ।
हाँ! मध्यरात्रि के शशि लोप में सूर्य उमड़ कर प्रकट हुआ, फिर वारिद जाने, जाने रिपुदल - कौन विकराल रूप ले प्रकट हुआ।
कोटि-कोटि रूप में वह शौर्य का प्रकाश था असुर-दैत्य-राक्षसों का अचल अखंड नाश था
चाप असि - विजय संग कालपाश ले चले विध्वंस - युद्ध - क्रोध संग ले विनाश वह चले
वैभव-राज-भोग केवल संतति है गात की प्रदत्त रण वीर को और संपत्ति विनाश की
कहाँ प्रिय क्षत्रिय को यह विश्राम कोष-प्रासाद-भ्रमण स्वर्ण- साकेत न अट्टालिका, माँगे वह केवल वीभत्स रण।

— वैनी माधव
बी० ए० प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
प्रथम वर्ष

क्यूँ मैं चाँद नहीं हूँ

चाँदनी से बात कर रहा मैं,
उसका हाल पूछ रहा मैं,
उसका ख्वाब पूछा मैंने,
तो वो बोली, क्यूँ मैं चाँद नहीं हूँ।
सबके दिल का ख्याल नहीं हूँ।
क्यूँ लोगों का विचार नहीं हूँ।
क्यूँ किसी का ख्वाब नहीं हूँ।
क्यूँ तारीफ के लायक नहीं हूँ।
क्यूँ मैं चाँद नहीं हूँ।

साहित्यिक कोना

मैंने बोला,
कि यह लोग पागल हैं,
जो चाँद को खूबसूरत मानते हैं।
दिल में चाँद को रखकर,
वो तुम्हें नज़र अंदाज़ करते हैं।
इन्होंने तुम्हें नहीं देखा शायद,
इसलिए फीके चाँद को देखते हैं।
लोग तारीफ करते चाँद सी,
मैं तारीफ मानूँ तेरे नाम सी,
शशि की पूजा करते वो,
फिर ज्योत्सना की उपासना करता मैं।
कि कुछ पूछते हैं मुझसे रूप तुम्हारा,
पूछते हैं कद-काठी,रंग तुम्हारा,
पूछते हैं चाल और स्वाभाव तुम्हारा,
मैं गुमसुम रहूँ देख तस्वीर तुम्हरी।

कि शब्द कम पड़ जाते हैं।
तुम्हारे दीदार को समझाने को,
क्या बोलूँ उन्हें मैं?
बोलूँ आलौकिक सौंदर्य हैं तुम्हारा,
या मनमोहक हसीन हो तुम,
या दिव्य रूप में अप्सरा सी तुम हो।
ये छोटे शब्द लगते हैं तुम्हारे समान।
इन शब्दों मे मत सिमटना कभी।
क्योंकि तुम चाँद नहीं हो।

— गणे हर्ष
बी० एस सी० भौतिकी विज्ञान (विशेष)
द्वितीय वर्ष

कि फिर इस मिट्टी में मिल जाएंगे,
हमारी यादें फिर इस मौसम को
महकाएगी।
जब जब बारिश आएगी हमें साथ
समेट लाएगी, फिर याद करेंगे बीते
ज़माने और वो पल जो साथ बिताये
थे।
माफ़ करेंगे एक दूसरे को हर गिले
शिकवे के लिए, जब कभी प्यार
जताएंगे फूल भी महक खिल उठ
जायेंगे।
ऐसी राह बनाएंगे कि फिर लौट ना
पाएंगे,
कि फिर इस मिट्टी में मिल जाएंगे।

—विभोर शर्मा
बी० ए० प्रोग्राम (अंग्रेजी+ अर्थशास्त्र)
प्रथम वर्ष

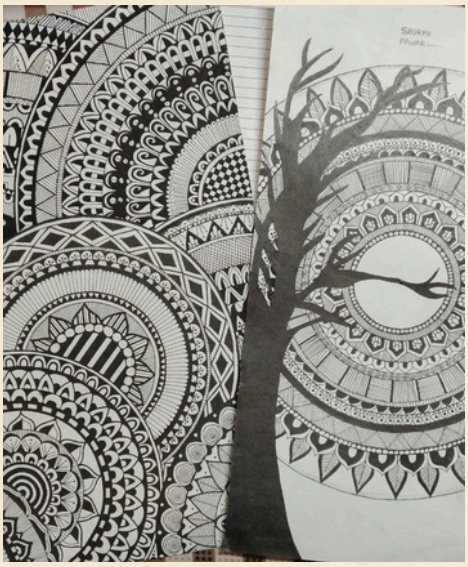
कला और रचनात्मकता

महीने की सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग



दिशा गुप्ता, द्वितीया वर्ष
बी० एस सी०
(रसायन विज्ञान विशेष)

महीने की सर्वश्रेष्ठ ड्रॉइंग



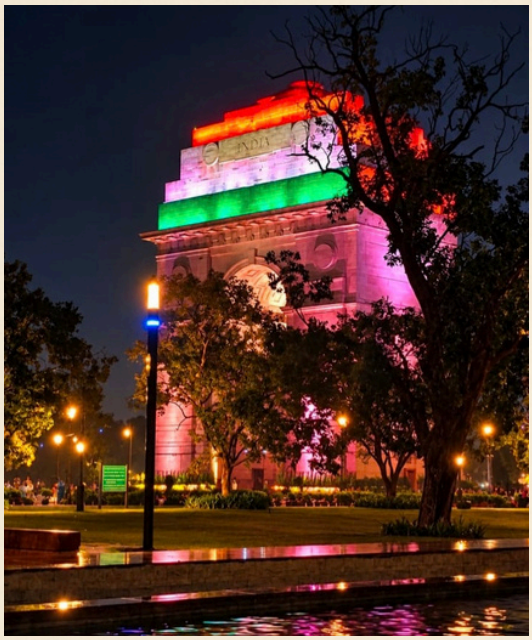
सौरव पावार, प्रथम वर्ष
बी० एस सी०
भौतिकी विज्ञान (विशेष)

महीने की सर्वश्रेष्ठ स्केच



मानवी जैन, प्रथम वर्ष
बी० ए० प्रोग्राम (राजनीति विज्ञान+ इतिहास)

महीने की सर्वश्रेष्ठ तस्वीर



अंधेरे आसमान के साए में खड़ा यह स्मारक, पानी की लहरों पर अपनी रंगीन दास्तान लिख रहा है। पेड़ों की ओट से छनकर आती यह रोशनी इतिहास की भव्यता को एक काव्यात्मक रूप दे रही है।

विशाल, प्रथम वर्ष
बी० एस सी० फिजिकल साइंस एंव कंप्युटर साइंस

खंड VII

मोतीलाल क्रॉनिकल्स



"शिक्षा शेरनी का वह दूध है,
जो इसे पीता है वही दहाड़ता है।"

— डॉ. भीमराव आंबेडकर

मीडिया सेल

2026-27